अध्याय – 14

वन अनुसंधान केन्द्र
हैदराबाद

इस वन अनुसंधान केन्द्र को हैदराबाद में जून, 1997 में स्थापित किया गया तथा यह काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर के प्रशासनिक नियंत्रण में है। केन्द्र में निम्न उद्देश्य हैं :

1. सामान्यत: दक्षिण भारत और विशेषत: आन्ध्र प्रदेश के सन्दर्भ में सामाजिक रूप से प्रासंगिक वृक्ष प्रजातियों के संबंध में वृक्ष सुधार अध्ययन करना।
2. ऊतक संवर्धन एवं प्रवर्ध्यों के बहुमात्र प्रवर्धन सहित उपर्युक्त के लिए प्रौद्योगिकीय रूप से उच्चीकृत सुविधाएं स्थापित करना।
3. वानिकी अनुसंधान में सूचना प्रौद्योगिकी के लिए सुविधाओं की स्थापना करना।
4. पौधशालाओं के लिए अवसंरचना सुविधाएं विकसित करना।
5. वनविदों, वन वैज्ञानिकों, किसानों और गैर-सरकारी संगठनों हेतु विस्तार एवं प्रशिक्षण के लिए सुविधाएं स्थापित करना।

अनुसंधान के क्षेत्र

1. वानिकी एवं प्रबन्धन
   - (i) पूर्वी घाटों एवं खनित क्षेत्रों का पारि-पुनरूद्धार।
   - (ii) कच्छ वनस्पतियों का पारि- पुनरूद्धार।
   - (iii) अर्ध-शुष्क क्षेत्रों का वनीकरण।
2. कृषिवानिकी : बहुउद्देशीय वृक्ष एवं गौण वन उपज प्रजातियों
3. पादप रक्षण
4. जैव - प्रौद्योगिकी
5. बीज प्रौद्योगिकी
6. पादप आनुवंशिकी

केन्द्र के वर्तमान कार्यकलाप

वन अनुसंधान केन्द्र की स्थापना के लिए डुलापल्ली, हैदराबाद में आन्ध्र प्रदेश वन विभाग के 40 हैक्टेयर आरक्षित वन भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् को हस्तान्तरित कर दिए गए हैं। भारत

सरकार के संरक्षण अधिनियम के तहत इसमें से केवल 0.8 हैक्टेयर भूमि पर प्रयोगशाला, प्रशासनिक भवनों के निर्माण और कर्मचारियों के लिए आवासीय क्वार्टर बनाने की अनुमति दी गई है। अवसंरचना का विकास करना अभी मुख्य विषय है। भवनों का निर्माण प्रगति पर है। ये 1998-99 के अन्त तक पूरे हो जायेंगे। रोपणों और पौधशाला के लिए कुआं खोदने का कार्य मार्च, 98 तक पूरा हो चुका था। विभिन्न प्रजातियों, यथा - यूकेलिप्टस, चन्दन, लाल चन्दन के रोपण का काम आगामी मानसून से पहले शुरु कर दिया जाएगा। केन्द्र ने आन्ध्र प्रदेश के लिए मूल वृक्ष के रूप में इमली का चयन किया है। इमली का खण्ड रोपण किया जाएगा। विश्व बैंक फ्री परियोजना के अन्तर्गत डुलापल्ली में यूकेलिप्टस के लिए 4 हैक्टेयर क्लोनीय बीज उद्यान स्थापित करने का कार्यक्रम है।

विस्तार

वानिकी और प्रबन्धन के विभिन्न पहलुओं पर आन्ध्र प्रदेश के वानिकों, गैर-सरकारी संगठनों और वानिकी के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम की व्यवस्था करना इस संस्थान के उत्तरदायित्वों में एक है। वन विभागों के मध्यम और शीर्ष स्तर के अधिकारियों के लिए वानिकी और सम्बद्ध विषयों पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम करने पर भी विचार किया गया है।

केन्द्र ने आन्ध्र प्रदेश के वन अधिकारियों के लिए 1997-98 के दौरान निम्न प्रशिक्षणों की व्यवस्था की है।

(क) फारेस्टर्स और रेन्जरों के लिए :

(i) सामाजिक रूप से प्रासंगिक वृक्ष प्रजातियों यथा, चन्दन सागौन, यूकेलिप्टस पर वृक्ष सुधार।

(ii) ऊतक संवर्धन एवं बहुमात्र प्रवर्धन तकनीकें सामान्य काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर और वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रवर्धन संस्थान, कोयम्बटूर द्वारा।

(ख) सहायक वन संरक्षकों एवं प्रभागीय वन अधिकारियों के लिए :

(i) काष्ठ गुणों एवं उपयोगों पर प्रशिक्षण - काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर के एक वैज्ञानिक द्वारा।

(ii) काष्ठ संशोषण एवं परिरक्षण पर प्रशिक्षण - का०वि० प्रौ० सं०, बंगलौर, के एक वैज्ञानिक द्वारा।

(iii) पादप जैव प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण वन-आणुवंशिकी एवं वृक्ष प्रवर्धन संस्थान कोयम्बटूर के अनुसंधान कर्मियों द्वारा।

वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद के साथ सहयोग करके काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा हैदराबाद में गोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन भी किया गया।

वन अनुसंधान केन्द्र का काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर और वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष संस्थान, कोयम्बटूर के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन, रोपण प्रौद्योगिकी तथा इन संस्थानों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी के हस्तान्तरण में सहानुबन्ध हैं।

वित्तीय वितरण

उप-शीर्ष	व्यय (रुपये में)
योजना	
वेतन	4,90,374.00
यात्रा व्यय	1,00,000.00
कार्यालय व्यय	2,18,078.00
योग	**8,08,452.00**
विश्व बैंक	1,33,000.00
उपकरण	9,700.00
नेट वर्किंग फर्नीचर	
संचालन और रखरखाव	
(क) उपकरण	3,530.00
(ख) वाहन	46,000.00
अनुसंधान संक्रियाए	2,600.00
योग	**1,94,830.00**
कुल योग	**10,03,282.00**